हिलोरें लेती चिति, सूर्योदय से सूर्यास्त तक

श्रीगुरुमाई के जन्मदिन महोत्सव का एक वृत्तान्त

२४ जून, २०१८

श्री मुक्तानन्द आश्रम

२४ जून २०१८ का अरुणोदय, गुरुमाई चिद्विलासानन्द का जन्मदिन, श्री मुक्तानन्द आश्रम में हुई प्रातःकालीन आरती की मनोरम ज्योतियों और घण्टों की ध्वनि से चमचमा रहा था।

२४ जून, जन्मदिन महोत्सव, गुरुमाई जी की हँसी, और उन सभी लोगों की हँसी से गूँजेगा जिन्होंने यह दिन गुरुमाई जी के सान्निध्य में मनाने की योजना बनाई थी। यह हिलोरें लेती चिति का अनुभव था, सूर्योदय से सूर्यास्त तक।

महोत्सव की रूपरेखा कुछ इस प्रकार बनी। एक दिन पहले २३ जून को, श्री निलय हॉल में एक सत्संग में, गुरुमाई जी ने प्रतिभागियों को बताया कि उन्होंने जन्मदिन के कार्यक्रम के बारे में कुछ सुना नहीं है। अनेक बच्चों सहित बहुत-से सिद्धयोगी गुरुमाई जी के साथ जन्मदिन मनाने के लिए श्री मुक्तानन्द आश्रम आए हुए थे। गुरुमाई जी जानना चाहती थीं कि उस दिन क्या होने वाला है।

गुरुमाई जी ने टीचिंग्स काउन्सल को आमन्त्रित किया कि वे यह बताएँ कि गुरुमाई जी के जन्मदिन के लिए उन्होंने क्या आयोजित किया है। टीचिंग्स काउन्सल, एस. वाय. डी. ए. फ़ाउण्डेशन में एक टीम है जो श्री मुक्तानन्द आश्रम में व साथ ही सार्वभौमिक सिद्धयोग संघम् में, शिक्षण व अध्ययन कार्यक्रमों के लिए उत्तरदायी है। टीचिंग्स काउन्सल ने बड़ी तत्परता के साथ बताना आरम्भ किया। तथापि, जब वे अपनी योजना के बारे में बता रहे थे तो जल्दी ही यह स्पष्ट हो गया कि उन्होंने जो भी योजना बनाई थी उसमें वह बात नहीं थी जो एक महोत्सव में होनी चाहिए। मुख्यतः उन्होंने कुछ ऐसे तत्त्वों की बात की जो हर शिक्षण व अध्ययन कार्यक्रम का हिस्सा होते हैं।

फिर गुरुमाई जी ने सभी प्रतिभागियों को आमन्त्रित किया कि वे अपनी कमर कस कर एक ऐसे महोत्सव सत्संग की रचना करने के कार्य में जुट जाएँ जैसा सत्संग वे लोग गुरुमाई जी को अर्पित करना चाहेंगे। गुरुमाई जी ने एक इच्छा अवश्य प्रकट की और वह यह कि जन्मदिन पर लोग साफ़-सुथरे चुटकुले सुनाएँ। ऐसा इसलिए ताकि उनके जन्मदिन पर हर कोई एक उत्तम अभ्यास को करे और वह अभ्यास है, हँसना। यह जन्मदिन का एक उपहार होगा जो सभी लोग गुरुमाई जी की ओर से एक-दूसरे को देंगे।

इसके लिए किसी को भी और अधिक प्रोत्साहन की आवश्यकता नहीं थी। यह एक ऐसा निवेदन था, ऐसी सेवा, जिसे करने के लिए लोगों को किसी रूपरेखा की ज़रूरत नहीं थी। देखते ही देखते लोगों ने अपने समूह बना लिए और एक महोत्सव सारिणी तैयार की जो जन्मदिन के लिए एकदम उपयुक्त थी, जिससे प्रेरित हो गुरुमाई जी ने २४ जून २०१८ के लिए शीर्षक दिया : हँसी की भेंट!

बाद में गुरुमाई जी ने कहा, "यह महोत्सव लोगों द्वारा था, लोगों का था... ...गुरुमाई के लिए।" यह सुनकर हर कोई बेहद खुश हो गया था।

और – यह बात बड़ी तेज़ी से फैल गई कि श्री मुक्तानन्द आश्रम में, गुरुमाई जी के जन्मदिन पर कुछ बहुत ही असाधारण हुआ था। सार्वभौमिक सिद्धयोग संघम् के वे लोग जो अलग-अलग जगहों पर थे, यह जानने के लिए बड़े ही उत्सुक थे कि जन्मदिन पर क्या हुआ। सिद्धयोग पथ की वेबसाइट पर फोटो गैलॅरीज़ के माध्यम से उन्हें उसकी एक झलक मिली, परन्तु वे और अधिक जानना चाहते थे। उन्हें पूरी कहानी जाननी थी; वे उस दिन के रस का घूँट-घूँट स्वाद लेने के लिए लालायित थे।

सभी की इच्छा को ध्यान में रखते हुए, गुरुमाई जी ने कहा कि एस. वाय. डी. ए. फ़ाउण्डेशन उस मार्गदर्शन का पालन करे जो गुरुमाई जी ने कई वर्ष पूर्व दिया था और कहा था कि महोत्सव दिवस का वृत्तान्त तैयार करने के लिए फ़ाउण्डेशन प्रतिभागियों की मदद ले।

सभी प्रतिभागी इस वृत्तान्त को लिखने में अपना योगदान देने लिए, २४ जून को हुए कार्यक्रमों में उन्होंने जो देखा और अनुभव किया उसे बाँटने के लिए बड़े ही उल्लसित थे।

एस. वाय. डी. ए. फ़ाउण्डेशन में कॉन्टेन्ट विभाग ने सभी से उनके अनुभव लिए, उन्हें संकलित किया और फिर उन्हें इन वृत्तान्तों के रूप में प्रस्तुत किया। आप इस वृत्तान्त को एक प्रिज़्म की भाँति मान सकते हैं — इस हर्षोल्लास से भरे महोत्सव के विभिन्न पहलुओं और बनावटों और रंगो का एक विक्षेपण व प्रतिबिम्ब।

इस यात्रा का रसास्वादन करें। सीखें। हँसें। पथ पर चलें। चिन्तन करें। निमग्न हो जाएँ।

© २०१८ एस.वाय.डी.ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।